Sh.

बाला त्रिपुरा
सहस्त्र नाम
इंगीशसंहिता

C 17

22 leaves

17
438

14.5 x 8.3 cm.

46 p

गणममदमंगमपु [illegible] मन [illegible] म॥ ॥॥ ॥॥ ॥॥ ॥॥ ॥॥ ॥
श्रीसेहैमनमकलमद यिहे [illegible] नमः॥ ॐ [illegible] सिनम॥
ॐममाहपाइंकलेकम।सिद्विणरेभुमन॥पाम
[illegible] सिदभसिडंभूदपाचडी॥श्रीसेहुवुम॥॥॥
श्रीभत्रावडवंपङ्क कालं ह्रीजिमङ्कग॥यंगीध्रू
पत्रसेकेमपैमपुलमणारिवे॥जपयायसिमे

मम्हेमगेएमथिकछडमा ॥ श्रीमङ्गउवमा ॥ १ ॥
निठगःरमंमङ्गैदःमत्रिठवेरएयंडे ॥ नावछमि
त्रुमुङश्रिगलायाःमकमगा ॥ डवेंरपजल्मेः
वींमितुयाभिडउःपरभीं ॥ डम्प्टःरभमदमूलिक
घयामिडवधिये ॥ मगेएटपिरम्हेमगम्हीग्रेद
विहमगा ॥ डमेरमुवडेमेविएयोंडेजल्ममम

॥ श्री: ॥
॥ ३३ ॥

भृगभद्रेदमभ्रुवेस्त्राराजमुटकालभर॥॥॥॥॥॥॥॥
द्वेपमटसीभदर लाइडिपाभदमरभमुइमट॥
ठनरमक्रराधिः॥पमडभ्रुक्रमः॥सीगलाइडिपाम्रे
वडा॥रक्षिकभरापोअदह॥मेसीडिक्रूएगलाडि
भरामेवडसजि:॥भधक्षराफिः॥भभमुपमध
ऊेभभज्ञयभाभद्देविरियेगाः॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥

देवि

ॐ श्रुयन्त अभिहुरायन्तायन्त अङिविभेमिरी ॥ ङिपराम
मरीभ्रेमफघेरिणिगतभा ॥ वभागगफ्राक्रङिः
विक्रङिमफरीमिव ॥ म झ्रा अङिचामम्भरत्रु

॥श्री:॥ ठगेमरा ॥ पराभारझलदरीरडीरङ्गरडीरङिः ॥ र
॥७१॥ झभालारझकलाकेलीकेवल्टमकला ॥ रभकल्यैक
ल्यलडजक्रदलवडीगङिः ॥ विरेमिमिगुभम्निगु

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भल्लिपासवायण॥ मरकेस ङ्‌ मंमजूपल्लि
झ्यविरालिङ॥ सङ्गूरिभ्रावरमाहमजूएडेम
सञ्जिक॥ भिञ्जूडिलकमाहपभ्भिलाभलभ्रः
ध्यिक॥ भञ्जाशॅमभ्भमिडरङ्भालाविङ्कधिड
भवल्लक्वरल्लध्रीडमजूमसभमरेरभा॥ डभ्रुल्ल
भ्रल्लवमसरभमसरवञ्जामारमा॥ आणरण्डडपः

मल्लिक

श्रीः॥
॥ ७॥

मानुपपाविणीश्रगी ॥ वकभुललमदृभठ
भपमभमम ॥ विमृरमद्भकेस्रारंदितुदरु
पिली ॥ कुमरीयानतिरहमंकरीधीतिभफ्रगी ॥
खपफ्ुपंमभीप्रल्ठप्रल्पी॰रिवाभिरी ॥ रलु
लक्कौ श्विुयलक्कौ भदलक्कौ भारालिकु ॥ भ
तेषुभीभाभम्दतिस्रारकेम्ठमियेदृतिः ॥ प

श्रीरस्तु

रिपुल्छणगद्गुइीविणइीरलवविरी॥अच
ठैभरवपमीस्रभमभूए्णगतिगभ्निरु॥अरिए
जीमीउम्फक्षिःमणीजा॰विमदृण॥रदमू
वत्तीगभिकभूणराभुठधिली॥गमभित्रुः
॥श्री॥ भगाइीदप्रभगीभैभरेमस॥विरत्तरभरम मग
॥२०॥ ऊँमक्तिशिपवरणद्विकण॥कभणजकमरीयय

कमेसीठगभङ्गला ॥ मठगाठिगिरीठेएठगः
मठगमठगा ॥ ठगलिङ्गरङ्गकलाठगभए
रिवाभिरी ॥ ठगकृपाठगभयीठगायङ्गठगे
उभा ॥ येरिएयाकभकलाकलामाउपायत्र
ऊलउंफलयाभ्रज्ञाएलीवद्धलिङ्गकृपिल्मी ॥
भ्रलक्षियाभ्रलाकृपाभ्रलानउिभ्रकृपिल्मी ॥

८५

मेझ्ककमलारह्नमिहुवड्गतिह्निंवा॥मीऽग्रगि
झकपवेमयेरिभुरिताञ॥प्पञ्केटिरावरावरवि
ठिभ्रेह्निडारहुडा॥रदउलीरामेप्रत्कप्रल्कभ्रुगरुरु
पिकु॥हुद्गरावरवंमगठिः वामिंश्मभमणभरिः॥व
त्कमालामिहिकुरालापक्तद्रुद्रुमवणमिरी॥प्रलके
मीरडाभ्रविभुरडदरिवामिरी॥मलिप्रगम्हितिभ्रि
ली

॥मीः॥
॥२३॥

गुरूस्मम्रूयरायञ ॥ स्वरम्हउगतिज्ञीपमिपपरग्र
भयम्हुत्रिः ॥ विम्तुड्म्तुड्मंवड्ंणीवरुपभुलीरव ॥
म्रुष्ठमह्रिस्नुलभ्रुमभ्रुरतीरिथप्रझियशु ॥ यम्हि
रूपम्हकेटिमीः भ्रदकेटिपूठभयी ॥ पम्रुरगंम्ह
म्रुयरिटद्रमभयीपूठ ॥ परमीझ्रभूयभाटरिम्र
लभाउरम्निरी ॥ कञम्हमम्रुभमिउभपभवदभ

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
म [illegible]
[illegible]
[illegible] म
[illegible]

श्रीः

॥श्रीः॥
॥२२॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भगली कुणङ्गक ॥ गम्डी गरठि स्त्रिवली ठङ्गुरकीभ
भएभ ॥ गल्केमी गुल्ये कू पङ्कंसुकभ्रीशिक ॥ भे
मगली रिउभ्रहगणसुर्हिमयगम्रयक ॥ भएनभु
मराभउ भयेलङ्गकुयाद्विउ ॥ कृठ गुल्ठ भङ्ग भेल
कलिञ्रपुरभश्रिउ ॥ येगिएयपमडजभेदभ
भउभाग्नी ॥ लवए भित्रु भिडागतिलकजाटिकै

॥श्रीः॥
॥१२॥

२

लालक ॥ भाषभिष्टमत्रणांमेरपा थाडारकेमया ॥
रलाकक्रिराल्मूल्मूंत्रस्रीपूमकमपक्र ॥ रभ
गम्ठीरमरमीपक्षिरीरममारमा ॥ पूमत्रमत्रवरम
मारमऊविठएरू ॥ संटरणभियविड्डरएरडकर
डरी ॥ विमिइयइमिडइविञ्जवह्लीगडिःसुठ ॥ क्र
एरक्रटक्रुटञ्जुपक्षक्रएमपक्षमी ॥ मडक्रेएड्रिक्र

क्रु

[illegible]

॥स्त्री:॥
[illegible]॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वडीवभिखुलयमेवडु ॥ गेलेकमेवेलिकमीचेके जेले
कयतिया लिक ॥ दविठरीमेवभाउवमारकर
राञयका ॥ मदयडी ठदभाउ भणिमरारठविवाडिः
मनिमयलुभंभडिः भुरलाणीरवभिरी ॥ वीरपुल्ड
ल्डवगडिःभणवि विःभुलेमरा ॥ रभाञगाभमेछ
मभभडलयया मुगा ॥ भर्मेरिडडिडिपराभमु
गा

ङपङकु

चु

॥म्रीः॥

॥२५॥

री भुरवझला ॥ रणभला रलियक्रा रलिकारङ्गमलि
क ॥ रक्षधियभरक्रामरतिरङ्गष्कुपिली ॥ रणः
सुक्षविकरिभुऊंनरभु रतिम्यद ॥ दवठवक
मकेलिः मरभ्रमरणीविक ॥ ममापिक्रमभरख
मयक्रः क्रममधियर ॥ मयक्रष्टीतिमरुभुभयक्रु
रिस्त्रकरुठडा ॥ ममपीः क्रममरखमयक्रक्र

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मङ्गलै

घ॥ मभिरी मैवभ्रक्कयाभप्रुत्क,वमरेमया॥ उ
घ्नुमाभउप्रत्कमठगयउ्तिक्तभिरी॥ लिङ्गयङ्
लयामन्तुऊपाभंयेगपेगिरी॥ ह्नविल्गीणऊपा
मम्हजूभाणकभ्रियाः॥ मणगीणमयीमह्नभाप
मवंन्ठिउभूम॥ मणःभंचीदमज्ञिम्नम्रुहविङ्किवै २
ऊपिल्ली॥ भचभाकीभचभयीमिवमज्ञिमयीख

ठ॥ मंयेगा रुद्र रिलया मंयेगा श्रीडिभाडक॥ मंये
गाउ भभ रुद्र मंयेगा येगवरिरी॥ मंयेगभापम
वंश्रं मिम रुद्रै कमेविड॥ म्रडूप्राकभम्पडि
रङ्कस्रमिश्रङ्कपिल्ली॥ भभाम्रपापश्रीडखिय
॥श्री:॥ भस्रभगक्षिरी॥ ठ्ठरडौंठ्ठगम्टठ्ठरयेवि: मि
॥९०॥ रलया॥ मिकलाठ्ठाभकलाभकला भक्लाः

ग्रविड॥ कलामडभूय पद्मिष्टडिभ्रक्ष्यपाद्विक॥
दंभकेलीभुलीभ्रक्ष दंभड़यविकुभिरी॥ विराग
डभिहकला पाभ ग्रकलावडी॥ विहकलाडाभु
समडभूयकलावडी॥ विहभत्रिधम्रसभि:पाडूभ
भ्रकुमिक॥ पाभक्ष पावभुलीहमत्रिमडभूयी॥
मत्रिडेपकराहभि:पाह्रराह्नककला॥ पमडी
ला

॥ सी: ॥
॥ ४३ ॥

मञ्जुपउघ॥रङ्करंमीठिडिःविभ्रव भगविज्ञलीविर्कं
लधिःवा॰िण्रुक्रउिस्रवढ़िणीज़ुरुभीमिक॥उलण
रभ्रपूभररभरमिरपरयघ॥क्रूरवीपूगडिःकम
करीकिउकप्रलिउ॥ररमीमररमडररलमुीमी
कलभयी॥भ्रवलणररैंपरमचामरनभोमिरी॥
मजविरूवरभुगमकमघरयप्रनिली॥कृठरमभरी

[illegible]

ऊलमझगी ।। विष्टरीलपउकठविलयमवमङ्गल
ङ्गलभलविमिङ्मभदङ्गिपरमझगी ।। पुदवझ
पाउनःभूकमरझरविरी ।। मिवरझरषऊपम
ङ्गरझअऊपिल्ली ।। मेष्टरझरषभयीकोलेमरझ
रविरी ।। मुल्कमेष्टरझरषाऊलेमरझरविरी ।।
मिष्टेयागुमऊपमभमयरझरविरी ।। त्मिवरू

॥श्री:॥
॥१८॥

रझऊपामभमयरझरखिरी॥वेदरझरखमयीभ
दएरझरखिरी॥भिक्षुपागुनऊपामस्रपारगुन
ऊपिली॥गगररझरघामविश्वरझभ्ररखिरी॥
विमलरझरघामभमररझरखिरी॥कुवरहृ
मलीलाहृरझररझरखिरी॥अङ्कररझरऊ
पाधियहृरझरखिरी॥भारवेप्यगुनमेषुप

[illegible]

यमेवउ॥ स्वमहूलउवभ केवेरभ्र यमेवउ॥ गिह्
महूलउवभमहे भिंदमरेस्रुरी॥ स्रीविहदम
दलक्षीःलक्षीस्रुङि इयड्डिक॥ मवमभूहुल
क्षीस्रुपंमलक्षीङिविमूउ॥ स्रीविहदपर हेङिः
परिष्कलमम्हवी॥ भङकपङ्रुकेसीमस्रीवि
हड्डाउउघ॥ परिहडे स्रुमीमेवङ्क्षिहपंमर

॥श्री॥
२९॥

॥श्री:॥
॥२०॥

विष्णुमन्त्ररूपायभक्ष्मुमन्त्रशिवभिरी॥ भैरवमन्त्ररूप
भ्रिउिमन्त्रतुउलया॥ वैरमन्त्ररूपायउघाड्रिया
मञ्जरी॥ उड्डमऊभरूपायधूमत्राङ्गरमढ्रिक॥ अ
चेयमारमउघुदुमयीमीघमेवउ॥ मिणभि
उवद्गमयीरेइइयविलाभिरी॥ घम्भ्रुमद्वाम्भ
मउरिकडगवाभिरी॥ घलिमापम्निमभ्रणधय

ਸ੍ਰਿਮੇਤਰਾਸੇਵਤਾ॥ਪ੍ਰਥਮਸ੍ਰਾਮਾਨਿਮੋਸਿਦ੍ਧਪਾਸ੍ਰਿਮਤਾ
ਰਸੇਵਤਾ॥ਰੰਸਿਦ੍ਧਵਯਕੇ॥ਸ੍ਰਾਪ੍ਰਕਾਸ਼ੇਮਾਰਕੇ॥
ਗਾ॥ਸ਼੍ਰੀਕੇ॥ਸ਼੍ਰਿਤਮਤਿਗਿਸਕੋਵੇਚਤਵਾਸਿਸੀ॥
ਪ੍ਰਸ੍ਰਿਸ਼੍ਰਿਹ੍ਰਿਗਪਸ੍ਰਾਮਪ੍ਰਕਾਸ਼ੈਸ਼ਵਿਲਾਸਿਸੀ॥ਤ੍ਰ
ਕ੍ਰੀਮਾਦੇਸ੍ਰਾਗੀਸੈਵਕੈਮਾਗੀਵੈਪ੍ਰਵੀਤਘਾ॥ਵਾਗਾਹੈ
ਕ੍ਰੀਸਗਾਮਾਫ੍ਰਾਮਦਲਕ੍ਰੀਡਿਮੰਗਤਿ:॥ਦੋਠਿ

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्रीः

स ॥ श्री रङ्गजी भभा मङ्गि रङ्ग कटि भो पत्ना ॥ श्री रङ्ग भस
रङ्ग भसरङ्गरङ्ग पिल्ली ॥ श्री रङ्ग रोपमा रङ्ग वेगा रङ्ग
ठमा ठिप ॥ श्री रङ्ग भालि रीम ङ्गि रधु वज मि गङ्गि ॥
वभुपङ्गक डवाभा मी भङ्गि पुरभ ङ्गगी ॥ भचभा भूर्ण
भापस भचमे ठराङ्गे स्रगी ॥ भभ्रूम ये स्रगी भचभ ङ्गेठ
कैकगी डषा ॥ भच विङ्ग विली भचा कधल्पि प भूकमिरी

॥ श्री ॥
४३

मचाङ्गमामज्ञिस्रमचमम्भेदरीडषा ॥ मचमुम्भर
मज्ञिस्रमचष्टुम्भरँकरिल्ली ॥ मचवम्टकरीमज्ञिः म
चमचाररस्ररी ॥ मचेम्रमामज्ञिस्रमचाग्रमाएक
डुबा ॥ मचमम्दडिमम्रमज्ञिः मचमड्डमयीडषा ॥ म
चडड्डनयकरीमिड्डिस्त्रियामञ्जरी ॥ मचाग्रमाए वर्भिमरी
केमीयमचरूदग्रमिड्डिम्र ॥ मडड्डमायमहेमीक

लयगमभग्विड ॥ भचभिङ्किभूम मेवी भचभमङ्कु
मडघ ॥ भचध्रियफ़गीमक्ति: भचभङ्गलकरिल ॥
भचकभभूप्रत्नाम भचरुन्धभूमेमिरी ॥ भचभाइपूम
भरीभचविश्वविरमिरी ॥ भचङ्गभऋगीमेवीभचमे
ठरम यिरी ॥ ङ्पिरोमीभचभिङ्किभूमयमम केलगा ।
भचगन्क्रोमीमरिगडयेगिरीउघा ॥ भचङ्कुरभ

॥ श्री: ॥
॥ ९७ ॥

॥ मू॰ ॥
॥ ७० ॥

रीडष॥ भवेश्वरीक्लिरीमह्रूंभचभिङ्मि॥ म
चक्रुभभ्रमेमीमपगपारदम्हविग॥ ड्रिक्लैमहर
भ्रुमभचैश्वदप्रुपङ्क्रिक॥ क्रुमेश्वरीगल्डपकभे
मीमपडपिल्मी॥ कभेमीपमडपमकभैश्वरश्वड
पिल्मी॥ कभेश्वरीह्मक्षिम्नप्रिमह्ररुडलय॥ क
भगिदविमेवीमङ्क्लैल्मटप्रहैल्गा॥ मनिक्लै